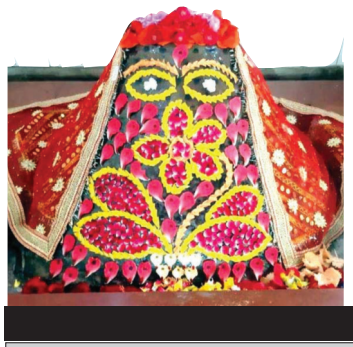

।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

● विक्रम संवत 2080 पौष शुक्ल पक्ष पंचमी, 16 जनवरी से 31 जनवरी 2024 , 16 January to 31 January 2024, ● वर्ष 3 (Year-3), ● अंक 52 ● पृष्ठ 4 (Page-4) ● मूल्य रु.2 (Price 2/-)

अयोध्या राम मंदिर की निगरानी करेगा AI

अयोध्या : 22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन होगा। उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने के लिए कई तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। साथ ही सुरक्षा व्यटवस्था् को लेकर भी खास तैयारियां की जा रही हैं। मंदिर के उद्घाटन को लेकर पूरी अयोध्या नगरी में सुरक्षा कड़ी कर दी जाएगी। वहीं, पहली बार राम मंदिर की सुरक्षा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से निगरानी शुरू की जाएगी।

सुरक्षा-व्यवस्था में एआई करेगी मदद : सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का कहना है कि अयोध्या के लिए निगरानी का पायलट प्रोजेक्ट शुरू होने की संभावना है। कुछ समय बाद, अगर संभव हुआ तो इसे सुरक्षा और निगरानी अभ्यास का एक अभिन्न अंग बनाया जा सकता है। निगरानी के अलावा राम लला के अभिषेक समारोह के लिए 11,000 राज्य पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किए जाने की संभावना है। अधिकारी के मुताबिक निगरानी बार-बार आने वाले आगंतुकों या लोगों के समूह द्वारा अपनाई जाने वाली किसी सामान्य प्रवृत्ति, या मंदिर परिसर के भीतर देखी गई किसी अन्य संदिग्ध प्रवृत्ति का पता लगाने में मदद कर सकती है। एक सुरक्षा अलर्ट स्वचालित रूप से जारी किया जाएगा और सुरक्षा एजेंसियां आगे की कार्रवाई करने में सक्षम होंगी। सूत्रों के मुताबिक इस आयोजन में अर्धसैनिक बल और पीएसी की 26 कंपनियों के साथ-साथ लगभग 8,000 नागरिक पुलिसकर्मियों के शामिल होने की संभावना है।

यूपी एटीएस, एसटीएफ और एनएसजी की होगी तैनाती : सूत्रों के मुताबिक यूपी एंटी टेरर स्काड (एटीएस) और स्पेशल टास्क फोर्स की टीमें और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड जैसी केंद्रीय एजेंसियां भी इस बीच तैनात की जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि कार्यक्रम के दिन, अयोध्या की ओर जाने वाली सभी सड़कों पर यातायात में बदलाव किया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आगंतुकों को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े, इन सड़क हिस्सों को अतिक्रमण से मुक्त किया जाएगा।

बंगाल में भी तीर्थ स्थलों के विकास पर 700 करोड़ से ज्यादा खर्च किए : ममता

कोलकाता : 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर के उद्घाटन की गहमागहमी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर सहित अन्य तीर्थ स्थलों के विकास पर राज्य सरकार ने 700 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि खर्च की है। राज्य सचिवालय नवान्न में पत्रकारों से बातचीत में ममता ने कहा कि इनमें कोलकाता के प्रसिद्ध कालीघाट मंदिर के जीर्णोद्धार (नवीनीकरण) के लिए हमारी सरकार ने 165 करोड़ रुपये दिए हैं, जिसका काम तेजी से चल रहा है। 60 प्रतिशत से ज्यादा काम हो चुका है। मुख्यमंत्री ने साथ ही कहा कि दीघा में समुद्र किनारे राज्य सरकार 205 करोड़ रुपये की लागत से पुरी की तर्ज पर जगन्नाथ मंदिर बनवा रही है। इसका काम भी अंतिम चरण में है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि अप्रैल में बांग्ला नववर्ष से पहले कालीघाट मंदिर के जीर्णोद्धार का काम पूरा हो जाएगा। ममता ने कहा कि रियालंस समूह कालीघाट मंदिर के सिर्फ शिखर पर सोने की परत चढ़ाने और कुछ आंतरिक जीर्णोद्धार का कार्य करा रहा है, जिसका बजट लगभग 35 करोड़ है। हमने 165 करोड़ दिए हैं। दक्षिणेश्वर मंदिर की तरह कालीघाट में भी स्काईवाक का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कोलकाता के मेयर व अपनी सरकार में मंत्री फिरहाद हकीम को कालीघाट मंदिर के जीर्णोद्धार का काम जल्द पूरा करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने इसके अलावा तारापीठ मंदिर, फुरफुरा शरीफ व अन्य धार्मिक स्थानों व प्रमुख मंदिरों के विकास पर खर्च का भी उल्लेख किया। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने इस्कान को 700 एकड़ जमीन देने की पहले ही मंजूरी दी है।

14 महीने में हिंदू राष्ट्र घोषित होगा भारत : प्रेमचंद्र झा

कोलकाता : आने वाले 14 महीने में भारत एक हिंदू राष्ट्र घोषित होगा। इससे पहले नेपाल पूर्णत: हिंदू राष्ट्र घोषित होगा। यह कहना है आनंद वाहिनी आदित्य वाहिनी संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमचंद्र झा का। हावड़ा के टिकियापाड़ा स्थित आदि जगतगुरु शंकराचार्य मंदिर प्रांगण में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए झा ने कहा कि अखंड भारत का जो सपना है वह भी जल्द पूरा होगा। उन्होंने कहा कि पुरी पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज ने बहुत पहले ही भविष्यवाणी की थी की भारत हिंदू राष्ट्र घोषित होगा। अब उसमें महज 14 महीने शेष बचे हैं। झा ने आगे बताया कि वार्षिक गंगासागर मेले के लिए गुरुवार को शंकराचार्य का यहां आगमन होगा। वह ट्रेन से सुबह हावड़ा पहुंचेंगे और अगले दिन शुक्रवार को कोलकाता से गंगासागर के लिए रवाना होंगे। 15 जनवरी को शंकराचार्य गंगासागर में शाही स्नान करेंगे। इसके अगले दिन 16 जनवरी को हावड़ा में हिंदू राष्ट्र सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें शंकराचार्य शामिल होंगे और अपना वक्तव्य रखेंगे।

कोरोना बढ़ रहा है, पहनें मास्क : ममता बनर्जी

कोलकाता : बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को दुनिया के कई देशों में फिर से कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते लोगों को सतर्क किया। मुख्यमंत्री ने भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने पर लोगों से सावधान रहने और मास्क का इस्तेमाल करने की भी अपील की। राज्य सचिवालय में कैबिनेट की बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा- कोरोना की स्थिति दुनियाभर में फिर से चिंता बढ़ाने लगी है, ऐसे में हमें भी सतर्क रहने की जरूरत है। स्पेन, अमेरिका में कोरोना के नए वैरिएंट के ज्यादा

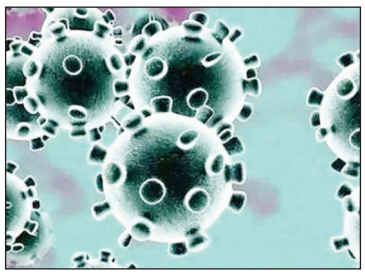

मामले आ रहे हैं। यहां केरल में भी कई मामले सामने आए हैं। फिलहाल हम कोई प्रतिबंध नहीं लगा रहे हैं, लेकिन जब आप बाजार या भीड़-भाड़ वाली जगह पर जाएं तो मास्क जरूर पहनें। ममता ने लोगों से नहीं डरने की भी अपील की। बस सावधानी बरतने की जरूरत है। दहशत न फैलाएं, एहतियात के तौर पर मास्क पहनें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की स्थिति पर नजर है। कोरोना से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग को भी अलर्ट किया गया है। ममता ने जोर दिया कि कोरोना को लेकर जितना हो सके सावधान रहें। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को आइसीसीयू को यथासंभव संक्रमण मुक्त रखने की भी सलाह दी।

राम सेक्युलर नहीं है : शंकराचार्य

हावड़ा : देश के प्रधानमंत्री गर्भगृह में रहेंगे मूर्ति का स्पर्श करेंगे प्रतिष्ठित करेंगे इसको राजनीतिक रूप दिया ही गया है। मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्रतिष्ठा होगी तो शास्त्र संगत होना चाहिए। यह कहना है पुरी गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज का। उन्होंने कहा, मैं विरोध भी नहीं करूंगा और जाऊंगा भी नहीं। मैंने अपना पक्ष रख दिया है। आधा तीतर और आधा बटेर की कहानी चरितार्थ ना करें सब कुछ शास्त्र संगत विद्या से हो। उन्होंने कहा कि मेरे पास निमंत्रण आया था एक व्यक्ति साथ ला सकते हैं और हंसते हुए उन्होंने कहा इस कारण नहीं मैं कोई नाराज नहीं हूं। पुरी गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज मुंबई मेल से हावड़ा स्टेशन पहुंचे तकरीबन 10:00 बजे के आसपास ट्रेन 21 नंबर प्लेटफार्म पर पहुंची, जहां पहले से ही उनके भक्त मौजूद थे। पूर्व रेलवे के हावड़ा डिवीजन के डीआरएम संजीव कुमार ने उनका स्वागत किया। वह यहां कई धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने व गंगासागर स्नान के लिए पहुंचे हैं। जब उनसे गर्भ गृह में भगवान श्री राम लाल के प्राण प्रतिष्ठा के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है शास्त्र संगत विधि के अनुसार प्रतिष्ठा होनी चाहिए और पूजा होनी चाहिए , राम सेक्युलर नहीं है।

शास्त्र संगत अनुसार प्रतिष्ठा व पूजा कार्यक्रम होना चाहिए अन्यथा देवता का जो तेज है वह तिरोहित हो जाता है और वह तिरोहित हो जाने पर डाकिनी साकनी भूत पिशाच के रूप में प्रविष्ट हो जाते हैं और पूरे क्षेत्र को तहस-नहस कर देते हैं। वही जब उनसे इस कार्यक्रम में जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि नहीं मैं तो इस कार्यक्रम में नहीं जाऊंगा अयोध्या तो जता रहता हूं। इस कार्यक्रम में मैं सम्मिलित नहीं होउगा, कारण कुछ नहीं मेरे पास निमंत्रण आया था एक व्यक्ति साथ ला सकते हैं और हंसते हुए उन्होंने कहा इस कारण नहीं मैं कोई नाराज नहीं हूं मेरी अपनी नीति है मेरा सिद्धांत है। मैं उस कार्यक्रम में जाकर क्या करूंगा। धर्मगुरु नहीं पहुंच रहे हैं यह तो सबको पता ही है। देश के प्रधानमंत्री गर्भगृह में रहेंगे मूर्ति का स्पर्श करेंगे प्रतिष्ठित करेंगे इसको राजनीतिक रूप दिया ही गया है। हिंदू राष्ट्र की ओर तेज गति से आगे बढ़ रहा है पूरा एशिया महाद्वीप हिंदू राष्ट्र घोषित होगा। पूरा विश्व हिंदुत्व के रंग में रंगेगा क्योंकि सबके पूर्वज सनातनी ही थे।

अरिहंत मंडल द्वारा 17वें रक्दान शिविर का आयोजन हावड़ा के श्याम गार्डेन में आयोजित हुआ। जिसमें 179 लोगों ने अपने रक्त देकर मानव सेवा के लिए महादान दिया। शिविर में उपस्थित थे संस्था के सदस्यगण।

स्वामीजी के जन्म दिवस पर निकाली गई झांकी

स्वामी विवेकानन्द के जन्म दिवस पर हावड़ा में बेलूड़मठ सहित कई जगहों पर विशेष आयोजन किया गया। मध्य हावड़ा में मंत्री अरुप राय के नेतृत्व में एक विशाल रैली निकाली गयी। इस दौरान उप-स्थित थे मसूद आलम खान, सुजय चक्रवर्ती, श्यामल मित्र एवं बुबुल बनर्जी। वहीं उत्तर हावड़ा के पिलखाना से बेलूड़मठ तक तृणमूल युवा कांग्रेस की ओर से कैलास मिश्रा के नेतृत्व में रैली निकाली गई। उपस्थित थे सायनी घोष, गौतम चौधरी, सीतानाथ घोष, राणा चटर्जी एवं सांसद प्रसून बनर्जी।

राष्ट्रीय किकबाक्सिंग चैंपियनशिप में हावड़ा की बेटी ने जीता स्वर्ण पदक

हावड़ा (सोनु झा) : हावड़ा की रहने वाली एनसीसी कैडेट निकहत परवीन ने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय किकबाक्सिंग चैंपियनशिप में अपना परचम लहराते हुए स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की है। तीन से छह जनवरी के बीच दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस चैंपियनशिप में देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जहां निकहत ने अद्वितीय प्रदर्शन करते हुए सोने पर कब्जा जमाया। निकहत की इस सफलता से हावड़ा जिले के साथ राज्यभर की एनसीसी इकाइयों व कैडेटों में खुशी की लहर है। एक मध्यमवर्गीय परिवार से आने वालीं निकहत कोलकाता के सुरेंद्रनाथ कालेज में कला स्नातक की छात्रा हैं और एनसीसी की 2 बंगाल बटालियन से जुड़ी हुई हैं। निकहत की इस उपलब्धि पर एनसीसी के बंगाल व सिक्किम निदेशालय के अपर महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विवेक त्यागी ने खुशी जताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। त्यागी ने कहा कि राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वालीं निकहत पर हमें गर्व है। उनकी यह सफलता, उत्साह और संकल्प निश्चित रूप से हमारे उन युवाओं व कैडेटों को प्रेरित करेगा जो कड़ी मेहनत करते हैं। एनसीसी ने एक बयान में बताया कि बेहद मेहनती किकबाक्सिंग प्रतिभा निकहत ने इससे पहले जिला और राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भी कई खिताब जीते हैं। सात साल की उम्र से ही किकबाक्सिंग में अपनी यात्रा शुरू करने वाली निकहत ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अब तक 75 से ज्यादा पुरस्कार जीते हैं। निकहत ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपनी मां, एनसीसी प्रशिक्षकों और अपने कोच से मिली प्रेरणा को दिया है। हावड़ा के टीएच मेमोरियल उर्दू हाई स्कूल, बेलूर की पूर्व छात्रा निकहत अब विश्व चैंपियनशिप में खिताब जीतने का इरादा रखती हैं। निकहत महिलाओं के स्वतंत्र होने और उन्हें सशक्त बनाने में दृढ़ विश्वास रखती हैं।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या आने के लिए रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र से आया पूरे मधुबनी जिलावासियों को निमंत्रण

पूजित अक्षत पहुंचने के बाद आज जिले के विभिन्न क्षेत्रों से विश्व हिंदू परिषद , आरएसएस , बीजेपी , एबीवीपी सहित विभिन्न अनुसांगिक संगठन के कार्यकर्ता शहर के गोकुलवाली मंदिर पहुंचे यहां से 51 कलश लेकर नगर भ्रमण कर अपने अपने क्षेत्रों में लेकर अपने क्षेत्रों के लिए प्रस्थान कर गए ये लोग सभी घरों तक निमंत्रण पत्र अक्षत के साथ सौंपेंगे । नगर भ्रमण में ढोल बाजे के साथ जिले भर के राम भक्तों ने बड़ी संख्या में भाग लिया । इस दौरान शोभा यात्रा गुजरने वाला मार्ग राम

भक्तों के जय बजरंगी जय श्रीराम व बंदे मातरम जय श्री राम ,अखंड भारत ,बंदे मातरम ,भारत माता के जयकारों से गुंजाएमान रहा । शोभा यात्रा में काफ़ी संख्या में साधु ,संत , महंथ,महिला ,पुरुष ,युवक , श्रद्धालुओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया । वहीं शोभा यात्रा में शामिल बिस्फी विधायक हरी भूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि राम के अस्तित्व को चुनौती देने वाले के कुल में रोने वाला नही रहेगा और कहा कि नीतीश कुमार पर भी तंज कसते हुए कहा कि नीतीश कुमार जी अब प्रासंगिक हो गए हैं साथ ही कहा की अक्षत घर घर पहुंचाएंगे लोगों को निमंत्रण देंगे । जो अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर बना है । जिसके लिए हमारे पूर्वज ,कई पीढ़ी तरस गई जिसके बाद मंदिर बनी है और 22 जनवरी को यह शुभ दिन पड़ा है । अयोध्या चले भगवान प्रभु श्रीराम की आराधना करें । शोभा यात्रा मेंआरएस पांडे ,साकेत महासेठ , संजय पांडे,अमरनाथ प्रसाद ,महेश प्रसाद ,भोलानाथ प्रसाद ,गणेश प्रसाद ,आदित्य सिंह ,पंकज मेहता ,कुंदन सिंह , अनिता झा ,रीना सर्राफ,उमा सिंह ,निधि सिंह,पिंकी भारद्वाज ,महेश सिंह ,राजू कुमार श्रीवास्तव ,अरविंद कुमार ,नवल झा ,अजय प्रसाद ,अमर नाथ प्रसाद ,संजय प्रसाद ,मनीष झा ,सचिन कुमार झा ,मनोज कुमार मुन्ना ,अशोक कुशवाहा सहित सैकड़ों राम भक्तो शामिल रहें ।

मोक्ष की कामना हेतु लाखों तीर्थयात्रियों ने गंगासागर में लगाई डुबकी

गंगासागर : पतित पावनी गंगा और सिंधु नरेश के मिलन स्थल पर मकर संक्रांति के पावन अवसर पर लाखों तीर्थयात्री डुबकी लगायें। भारी तकलीफें उठाकर देश-दुनिया के सुदूर क्षेत्रों से गंगासागर पहुंचे तीर्थयात्री। तकरीबन 65 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के पुण्य स्नान किया। प्रशासन की ओर से कपिल मुनि मंदिर से लेकर सागर तट तक सुरक्षा के बेहद कड़े इंतजाम किये गये थे।

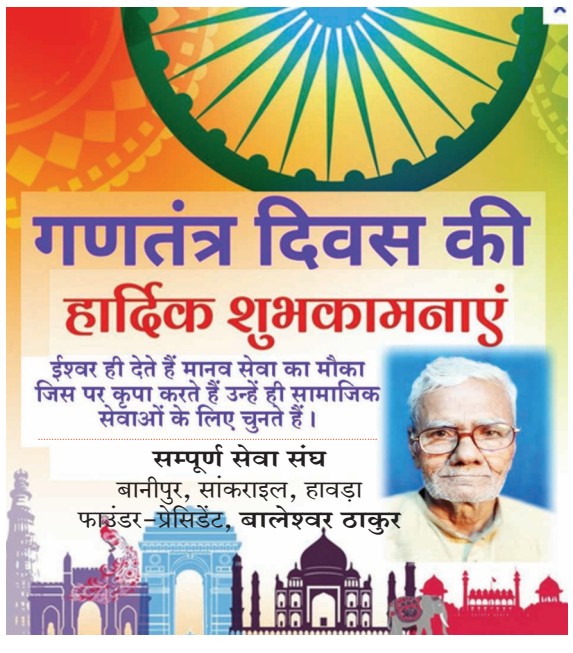

ममता ने पीएम को लिखा पत्र, बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने की मांग की

लोकसभा चुनाव से पहले बंगाली अस्मिता से जुड़े मुद्दे को धार देने में जुटीं ममता

कोलकाता : लोकसभा चुनाव से पहले बंगाल की मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी एक बार बंगाली अस्मिता से जुड़े मुद्दे को धार में जुट गई हैं। इस क्रम में ममता ने बांग्ला भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता देने की मांग करते हुए गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा। मुख्यमंत्री ने राज्य सचिवालय नवान्न में पत्रकारों से बातचीत में इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बांग्ला भाषा का इतिहास ढाई हजार साल पुराना है। उन्होंने बांग्ला भाषा के इतिहास व विकास के साक्ष्यों के साथ पीएम को पत्र भेजा है। मुख्यमंत्री ने पीएम से केंद्रीय गृह मंत्रालय को आवश्यक निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है, ताकि बांग्ला भाषा के दावे को जल्द से जल्द स्वीकार किया जा सके।

ममता ने इस दौरान बंगाल को वंचित करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने उल्लेख किया कि भारत सरकार पहले ही छह भाषाओं को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दे चुकी है। इनमें तमिल को 2004 में, संस्कृत को 2005 में, तेलुगु और कन्नड़ को 2008 में, मलयालम को 2013 में और ओडिया को 2014 में। उन्होंने शिकायत की कि यदि दूसरे राज्यों की भाषाओं को मान्यता मिल सकती है तो बांग्ला को क्यों नहीं मिलेगी, जिसका इतिहास इतना प्राचीन है? ममता ने तथ्य पेश करते हुए कहा कि बांग्ला शास्त्रीय भाषा का दर्जा पाने का हकदार क्यों है। उन्होंने कहा कि इसपर बहुत सारे रिसर्च पेपर और दस्तावेज तैयार किए गए हैं। उनकी सरकार ने विशेषज्ञों से भी चर्चा की है। ममता ने राज्य की पूर्ववर्ती वाममोर्चा सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि इससे पहले जो लोग सत्ता में थे, उन्होंने बांग्ला भाषा को मान्यता दिलाने को लेकर नहीं सोचा। उन्होंने आरोप लगाया कि वे राजनीति में इतने व्यस्त थे कि यह सब करने का उनके पास समय नहीं था। बता दें कि बंगाल सरकार लंबे समय से बांग्ला को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने की मांग कर रही है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने भी केंद्र से इसकी मांग की थी।

राम मंदिर की एक झलक पाने के लिए 3 नौजवान साइकिल से अयोध्या निकले

बीरभूम : अयोध्या में जैसे-जैसे राम मंदिर के उद्घाटन की तिथि नजदीक आ रही है। राम भक्तों का उत्साह बढ़ते ही जा रहा है। हर कोई इस स्वर्णिम पल का साक्षी बनना चाहता है। लोग अपने स्तर से जाने की तैयारी कर रहे हैं। बीरभूम जिला के नलहटी के तीन युवकों को जब ट्रेन में टिकट नहीं मिला तो तीनों ने साइकिल से ही अयोध्या की यात्रा करने का फैसला ले डाला मंगलवार की रात तीनों दुमका पहुंचे और पोखरा चौक के मंदिर में रात्रि विश्राम किया। स्थानीय लोगों ने उनका स्वागत किया और कुछ सामान देकर आगे की यात्रा के लिए विदा किया। तीनों राम मंदिर के उद्घाटन के बाद भक्ति का एक-एक दीपक जलाएंगे। तीनों युवकों के नाम सुदीप माल, राज माल और नितेश साहनी है। साइकिल से अयोध्या की यात्रा पर निकले हैं। भक्तों का कहना है कि राम के प्रति असीम श्रद्धा है वे हमारे आराध्य हैं। भव्य मंदिर का सालों से देशवासियों को इंतजार है। 22 जनवरी को होने वाले उदघाटन समारोह का साक्षी बनने के लिए अयोध्या जाने का ठाना ट्रेन में रिजर्वेशन का बहुत प्रयास किया, लेकिन सीट ही नहीं मिली सोचा क्यों न इस ऐतिहासिक मौके को यादगार बनाया जाए इसलिए साइकिल से अयोध्या जाने का कार्यक्रम बनाया 25 दिसंबर को घर से निकल गए प्रयास है कि 22 जनवरी से पहले अयोध्या पहुंचकर अपनी भक्ति का दीप जलाएंगे।

श्रीराम जन्मभूमि पुजीत अक्षत लेकर घर-घर पहुंच रहे रामभक्त

अंधराठाढ़ी : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा श्रीराम मंदिर पुजीत अक्षत निमंत्रण अभियान को पुरे भारत में चलाया जा रहा है। घर घर अक्षत निमंत्रण पहुंचाने का अभियान पुरे भारत के रामभक्तों ने शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अंधराठाढ़ी दक्षिण पंचायत में युवा छात्र नेता मनीष झा के नेतृत्व में घर घर जा कर अक्षत, निमंत्रण दिया जा रहा है। इस अभियान के तहत पंचायत के हर एक परिवार को श्रीराम जन्मभूमि पुजीत अक्षत देने के साथ साथ 22 जनवरी को अपने घरों एवं धर्म स्थलों को दीपावली का रूप देने की आग्रह भी की जा रही है। मनीष झा ने बताया कि पंचायत के सभी सनातनियों को अक्षत निमंत्रण देने के साथ साथ सनातन के प्रति जागरूक करना और श्रीराम जन्मभूमि की लड़ाई में अपनी जान को न्यौछावर करने वाले रामभक्तों के बलिदान की शौर्यगाथा सुनाना भी हमारा लक्ष्य है। हम बड़े ही सौभाग्यशाली हैं कि हम राम मंदिर के गवाह बन रहे हैं। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा होते ही राष्ट्र और गति से साथ विकसित होने चल पड़ेगी।

47वां कोलकाता बुक फेयर की तैयारी

कोलकाता (संघमित्रा सक्सेना) : 47 वीं कोलकाता बुक फेयर की शुरुवात की घोषणा हो गई। सोमवार साधारण संपादक सुधांशु शेखर दे और अध्यक्ष त्रिदीब कुमार चैटर्जी की उपस्थिति में यह घोषणा हुआ कि 18 जनवरी 2024 की 47 वीं इंटरनेशनल कोलकाता बुक फेयर की शुरुवात की जाएगी। यह मेला 31 जनवरी तक चलेगी।

कौन कौन 47 वीं कोलकाता इंटरनेशनल पुस्तक मेला में शिरकत करेंगी– मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की करकमलों द्वारा पुस्तक मेला का उद्घाटन होगा। अतिथि के रूप में भारत और ब्रिटिश उप हाई कमिश्नर मिस्टर एलेक्स एलिस सिएमजी, भारत ब्रिटिश काउंसिल कंट्री डायरेक्टर एलिसन बैरेट एम बी ई, विशिष्ट भारतीय साहित्यिक श्रीमती वाणी वासु सहित सभी साहित्यकार, कवि एवं लेखक उपस्थित रहेंगे।

बुक फेयर की खास बातें– कुल 1000 स्टॉल होंगी। सीनियर सिटीजन दिवस 'चिरोटोरून' उद्यापन होगा 24 जनवरी। मेले में प्रवेश की लिए कुल 9 मुख्य द्वार होगी। इसमें एक गेट लंदन की टावर ब्रिज की तरह बनाया गया है। बेथुन स्कूल की 175 साल पूरा होने पर एक गेट स्कूल के मुख्य द्वार की तरह बनाया गया है। इसके अलावा विश्वबांग्ला गेट। ताराशंकर बंधोपाधाय और लोरकर की स्मृति में 125वां साल पूरा होने पर एक गेट की निर्माण की गई हैं। बुक फेयर की दो हॉल समरेश मजूमदार और ए एस बयात की नाम से बनी हैं। बच्चों की पवेलियन सष्ठिपद चैटर्जी और पांडव गोयेंदा की थीम पर बनी हैं। परिवहन दफ्तर पश्चिमबंगल विशेष बस परिसेवा दे रही है। हेल्थ पार्टनर हर बार की तरह पीरलेस अस्पताल और रिसर्च सेंटर हैं। सी ई एस सी ने बुक फेयर एंड्रॉयड एप को प्रमोट किया। मेघबाला ब्रॉडब्रैंड कोलकाता इंटरनेशन बुक फेयर की ब्रॉड ब्रांड पार्टनर हैं। इस बार कुल 20 देश कोलकाता इंटरनेशनल बुक फेयर में हिस्सा ले रही हैं। मेला में आनेवाले सभी को क्यूवार कोड की मदद से मेला की डिजिटल मैप लेना होगा। 2024 कोलकाता इंटरनेशनल बुक फेयर की मुख्य आकर्षण लिटरेचर फेस्टिवल हैं, यह 26 से 28 जनवरी तक चलेगा। उपाध्यक्ष सुधांशु शेखर दे और अध्यक्ष त्रिदीब कुमार चैटर्जी, गिल्ड की सदस्य पब्लिशर्स और बुक सैलर शिलादित्य सरकार, सुदीप्ता दे, सुभांकर दे सहित कई गणमान्य व्यक्ति घोषणा समारोह में उपस्थित थे।

आईपीएस स्कूल की ओर से वार्षिक कार्यक्रम का आयोजन

हावड़ा (धर्मवीर कुमार सिंह) : इंडियन पब्लिक स्कूल की ओर से उत्तरपाड़ा के सीए मठ में वार्षिक कार्यक्रम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के तौर पर उत्तरपाड़ा म्युनिसिपालिटी के चेयरमैन दिलीप यादव उपस्थित थे। आई पी एस स्कूल के प्रिंसिपल आनंत भक्त ने हमारे संवाददाता धर्मवीर कुमार सिंह को बताया की छात्रों के लिए उनके जीवन में खेलकूद का एक अलग महत्व रखता है। आज के समय में शिक्षा और खेलकूद दोनों ही जॉब ओरिएंटेड कोर्स हो गया है जिसे पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा एक्टिविटी में इसको भी महत्व देना चाहिए आई पी एस स्कूल के फाउंडर गुरु चरण साव ने बताया कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी

बहुत ज्यादा जरूरी है, इससे बच्चों में मानसिक व शारीरिक विकास होता है। डॉक्टर रमाशंकर सिंह ने बताया कि यदि बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ स्पोर्ट्स में भी हिस्सा लेते हैं तो वह फिजिकली फिट रहते हैं। स्कूल के (वाइस प्रिंसिपल) प्रियंका शर्मा ने बताया कि बच्चे इस दिन का इंतजार करते हैं और इसी तैयारी का नतीजा आज हम लोग देख रहे हैं कि बच्चे इतना अच्छा परफॉर्म कर पा रहे है। सीनियर और जूनियर छात्रों द्वारा खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसमें पिरामिड मेकिंग, फ्रॉग रेस ,बिस्किट, बैलून , मैथ्स, स्पून, थ्री लेग, पोटैटो रेस के अलावा और भी अन्य कई रेस कराए गए और बच्चों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में बच्चो पुरस्कृत किया गया कुमकुम राय (स्पोर्ट्स इंचार्ज) ने बताया बच्चे तमाम प्रतियोगिताओं में अच्छा परफॉर्मेंस किए हैं। यह कई दिनों के प्रेक्टिस का नतीजा है। तृषा चक्रवर्ती ने बच्चों के उत्साह को काफी सराहा।

उत्तरपारा यूनियन गर्ल्स हाई स्कूल के हेडमिस्ट्रेस संता चक्रवर्ती ने बताया कि बच्चे यदि स्पोर्ट्स में हिस्सा लेते हैं तो उनका हेल्थ तो ठीक रहता ही है उसके साथ-साथ पढ़ाई में भी उन्हें मन लगता है। अतिथि के रूप में डैफोडील्स स्कूल के (ऑफिस इंचार्ज) नेहा साव, पूजा सिंह, ललित साव, इशिका घोष, डीके मिश्रा, और अन्य अतिथि के रूप में क्रिकेट के एक्स बंगाल प्लेयर जयदीप राय, चाणक्य पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल रूपेश ठाकुर और अन्य कई गेस्ट भी शामिल थे।

जी एम प्लेहाउस का क्रिसमस और चिल्ड्रेंस डे कार्यक्रम मनाया गया

हावड़ा : आधुनिक काल में खेल का अत्यधिक महत्व है। हमारे देश में खेल को इतना महत्व दिया गया है कि खेलकूद से हम अपनी पहचान राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर तक कर सकते हैं। हर बार बच्चों का उत्साह और मनोबल बढ़ाने के लिए जी एम प्लेहाउस हर संभव प्रयास करता है इसी कड़ी को ध्यान में रखते हुए लिलुआ के अभय गुहा रोड में स्थित जी एम प्लेहाउस का क्रिसमस और चिल्ड्रेंस डे कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें स्कूल के सभी बच्चों ने बढ़- चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन बेलूर मठ इलाके के जाजोदिया गवर्नमेंट क्वार्टर में शनिवार दिनांक 23.12.2023 को किया गया था,

जिसमें अतिथि के तौर पर डॉन बॉस्को स्कूल के रिटायर्ड टीचर मोहम्मद इस्लाम अंसारी मौजूद थे। इसके साथ ही कई अन्य गेस्ट सेंट जोसेफ स्कूल के प्रिंसिपल विकास जायसवाल, वीटी ब्रेन स्कूल के प्रिंसिपल अनिल सिंह, रेहान इंटरनेशनल स्कूल के प्रिंसिपल सिराज अंसारी, सेंट जोसेफ स्कूल के वाइस प्रिंसिपल राजेश साव और आईसीयसई और आईएससी बोर्ड के इंस्पेक्टर विजय उपाध्याय शामिल थे। कार्यक्रम की शुरुआत नेशनल एंथम से किया गया। स्कूल के 26 छात्रों ने फैंसी ड्रेस कंपटीशन में हिस्सा लिया। बच्चे, पेरेंट्स और गेस्ट का उत्साह बढ़ाने के लिए विजय सिंह खुद भांगड़ा डांस सबके सामने पूरे जोश के साथ प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में अतिथि, गेस्ट और छात्रों को मिलाकर कुल 200 लोग शामिल थे। कार्यक्रम के अंत में क्रिसमस सॉन्ग का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष तौर पर टीचर इंचार्ज माधुरी सिंह, को- ऑर्डिनेटर सुमित सिंह, सुष्मिता बाग, मनजीत कौर, रजनी भकत और काजल सिंह का विशेष योगदान रहा।

26 जनवरी 1950 के कालजयी घटनाक्रम, जानिए युग परिवर्तन का एक-एक लम्हा

नई दिल्ली : भारत वर्ष के राजनीतिक इतिहास में दो तिथियां ऐसी हैं जिनको भारतवासियों की आने वाली पीढ़ियां भी कभी नहीं भुला पाएंगी। इनमें एक तिथि 14 और 15 अगस्त 1947 की मध्य रात्रि की और दूसरी तिथि 26 जनवरी 1950 की है। पहली तिथि पर भारत को सदियों की अंग्रेजों की गुलामी के बाद आजादी मिली और पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल के साथ भारत की सत्ता संभाली। दूसरी तिथि पर 26 जनवरी को हमें तीन बड़ी उपलब्धियां हासिल हुईं, जिनमें पहली उपलब्धि के रूप में वह संविधान मिला जिसे भारत के लोगों ने स्वंय अपना भविष्य तय करने के लिए बनाया था। दूसरी उपलब्धि राष्ट्र को अपना मूल नाम भारत वापस मिला। तीसरी बड़ी उपलब्धि ब्रिटिश सम्राट द्वारा नियुक्त गर्वनर जनरल के स्थान पर हमारा अपना राष्ट्रपति मिला। उसी दिन हमारा अपना संविधान लागू होने पर भारत का शासन चलाने के लिए ब्रिटिश पार्लियामेंट द्वारा पारित भारत सरकार अधिनियम 1935 और भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947 का भी निर्सन हो गया। इसी तिथि पर गवर्नर जनरल का झंडा उतारा गया और भारत के पहले राष्ट्रपति ने अपना झंडा फहरा दिया। इसी तिथि पर संविधान सभा पहले आम चुनाव तक संसद में बदल गई। इसी दिन राष्ट्रपति के शपथ के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके मंत्रिमंडल ने अपने संविधान को हाजिर-नाजिर कर शपथ ली। इसी दिन भारत के प्रधान न्यायाधीश हीरालाल जे. कानिया ने भी पद की शपथ ली।

आजादी के बाद भी अंग्रेजों का संविधान ढो रहा था भारत :

भारत को 15 अगस्त को आजादी अवश्य मिली मगर अपना संविधान न होने के कारण भारत का शासन 29 महीनों तक ब्रिटिश संसद द्वारा पारित भारत सरकार अधिनियम 1935 के अनुसार ही चल रहा था। आजादी मिलने के बाद भी ब्रिटिश साम्राज्ञी द्वारा 21 फरवरी 1947 को नियुक्त गवर्नर जनरल लुइस माउंटबेटन 21 जून 1948 तक राष्ट्र प्रमुख के तौर पर पदासीन थे। माउंटबेटन के बाद गवर्नर जनरल के पद पर पहले और अंतिम भारतीय नेता चक्रवर्ती राजगोपालाचारी पदासीन अवश्य हुए मगर उनकी नियुक्ति भी ब्रिटिश साम्राज्ञी की ओर से हुई और उन्होंने भी तत्कालीन कानून के अनुसार साम्राज्ञी के प्रति निष्ठा और समर्पण की शपथ ली थी। यह तिथि हमें 26 जनवरी 1929 की याद भी दिलाती है जिस दिन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण स्वराज्य की घोषणा कर दी थी और उपनिवेश रहने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था।

भारत के भविष्य को बदलने वाले क्षण : 26 जनवरी 1950 को भारत के भविष्य से संबंधित युगान्तरकारी परिवर्तन के गवाह लम्हों को इसलिए भी याद करना जरूरी है क्योंकि लोग तिथि तो याद रखते हैं मगर उस तिथि के युग परिवर्तन करने वाले एक-एक लम्हें को याद रखना आसान नहीं है। इसलिए पाठकों की याद ताजा करने और भावी पीढ़ियों के लिए भारत के भविष्य को तय करने वाले उन ऐतिहासिक क्षणों का संक्षिप्त विवरण दिया जा रहा है।

वे ऐतिहासिक एवं कालजयी पल : ऐतिहासिक दस्तावेजों के अनुसार 26 जनवरी 1950 की प्रातः नव निर्वाचित राष्ट्रपति डा0 राजेन्द्र प्रसाद ने अपने 1, क्वीन विक्टोरिया रोड स्थित आवास से सदलबल नॉर्थ कोर्ट के लिए प्रस्थान किया, जहां वह ठीक 9 बजकर 50 मिनट पर पहुंचे। अपने एडीसी की अगवानी में वह कुछ समय के लिए आसीन हुए। ठीक उसी समय देश विदेश के मेहमान गवर्नमेंट हाउस के दरबार हॉल में पहुंचने लगे थे। उसी समय ठीक 10 बजे राष्ट्रपति की पत्नी श्रीमती नामगिरी और अन्य पारिवारिक सदस्य भी दरबार हॉल पहुंचे जिन्हें उचित सम्मान के साथ बी वाली सीटों पर बिठाया गया। ठीक 10 बजकर 12 मिनट पर गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी, नवनियुक्त राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के साथ नॉर्थ कोर्ट पहुंचते ही एक मिनट के अंदर दरबार हॉल की सीढ़ियों पर पहुंचे। वहां से प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दोनों का स्वागत किया और दोनों अति विशिष्ट हस्तियों को दरबार हाल में उनके आसनों तक ले गए। दरबार हॉल की सीढ़ियों के शीर्ष से एडीसी के प्रोसेशन की शक्ल में दोनों हिस्तयां साथ-साथ और एक दूसरे की बगलगीर हो कर आगे बढ़े। उनके पीछे प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू एवं सरदार बल्लभ भाई पटेल और मौलाना अब्दुल कलाम आदि चल रहे थे। मंच तक पहुंचते ही गवर्नर जनरल दाईं वाली और नव नियुक्त राष्ट्रपति बाईं सीट पर आसीन हुए। उसके बाद 10 बज कर 15 मिनट पर बैंड की धुन के साथ राष्ट्रगान शुरू हुआ और फौरन बाद दरबार हॉल के दरवाजे बंद कर दिए गए।

गवर्नर जनरल की सम्प्रभुता सम्पन्न गणराज्य की घोषणा : समय का चक्र पल-पल घूमता रहा और ठीक 10 बजकर 18 मिनट पर गवर्नर जनरल ने नए सम्प्रभुता सम्पन्न गणराज्य के जन्म की घोषणा करने के साथ ही संविधान सभा का वह पत्र पढ़ा जिसमें गणराज्य के पहले राष्ट्रपति के नाम की घोषणा की गई थी। इसके तत्काल बाद गवर्नर जनरल ने नए राष्ट्रपति को दाईं वाली सीट पर बैठने के लिए आमंत्रित किया और स्वयं बाईं ओर की सीट पर आसीन हो गए। तत्पश्चात संघीय न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश हरिलाल जेकिसुनदास कानिया आगे बढ़े और उन्होंने नव नियुक्त राष्ट्रपति को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति ने हिन्दी में शपथ ली। इसके बाद दरवार हॉल के दरवाजे खोल दिए गए। इसके साथ ही गवर्नर जनरल का झंडा उतार कर भारत का झंडा फहराया गया। इन औपचारिकताओं के बाद राष्ट्रगान समाप्त होते ही 31 तोपें नए गणराज्य के पहले राष्ट्रपति को सलामी के लिए गरज उठीं। तत्पश्चात 10 बजकर 28 मिनट पर गार्ड ऑफ ऑनर की औपचारिकता समाप्त होते ही राष्ट्रपति ने अपना संक्षिप्त भाषण दिया।

राष्ट्रपति के भाषण के बाद गृह सचिव ने आगे बढ़ कर राष्ट्रपति से अनुमति चाही कि क्या राष्ट्रपति के पद ग्रहण करने की घोषणा सरकारी गजट में प्रकाशित कर उसे सभी जगह प्रसारित किया जाए।

ऐतिहासिक सेरेमनी की समाप्ति

गृह सचिव ने 10 बजकर 35 मिनट पर शपथ ग्रहण समारोह की समाप्ति की घोषणा करने की अनुमति राष्ट्रपति से मांगी। इसके बाद सभा विसर्जन होते ही राष्ट्रपति और गवर्नर जनरल एक जुलूस की शक्ल में दरबार हॉल से बाहर निकले मगर इस बार उनके पीछे प्रधानमंत्री नहीं थे। निवर्तमान गवर्नर जनरल को एडीसी द्वारा मिंटो रूम में ले जाया गया जबकि राष्ट्रपति उत्तरी गलियारे से ऊपरी बरामदे में ले जाए गए। बाकी सभी मेहमान पुनः अपनी सीटों पर बैठ गए क्योंकि वहीं पर अब कैबिनेट मंत्रियों का शपथ ग्रहण होने वाला था।

कैबिनेट मंत्रियों का शपथ ग्रहण

ठीक 10 बजकर 38 मिनट पर उत्तरी गलियारे से प्रधानमंत्री नेहरू, उनके मंत्रिमंडल के सदस्य, प्रधान न्यायाधीश और स्पीकर ने ऊपरी बरामदे में वरिष्ठताक्रम में बड़ी मेज के दानों ओर आसन ग्रहण किया। राष्ट्रपति ने प्रोटोकॉल के अनुसार मेज के शीर्ष पर आसन ग्रहण किया। कैबिनेट सेक्रेटरी राष्ट्रपति के पीछे दाईं ओर बैठे। इसके बाद राष्ट्रपति ने पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को और फिर प्रधान न्यायाधीश हरिलाल जेकिसुनदास कानिया को शपथ दिलाई।

इसके तत्काल बाद राष्ट्रपति, पूर्व गवर्नर जनरल, प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों, प्रधान न्यायाधीश और स्पीकर के साथ दरबार हॉल के बॉल रूम पहुंचे जहां विभिन्न देशों के राजनयिक और उनकी पत्नियां प्रतीक्षा में थे। यहां राजनयिकों ने राष्ट्रपति को अपने-अपने परिचय दिए। ठीक 12 बजे राष्ट्रपति बॉल रूम से निकलने लगे तो तो बैंड की धुन पर राष्ट्रगान शुरू हो गया और इस कार्यक्रम का भी विसर्जन हो गया।

सी-सेक्शन के 10 दिन बाद ही शुरू कर दिया था वर्कआउट

मुंबई : रुबीना दिलैक पिछले साल 27 नवंबर को मां बनी हैं। उन्होंने जुड़वा बेटियों को जन्म दिया है। रुबीना ने हाल ही में बताया कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी कैसे बदल गई। अब वह पहले से ज्यादा बिजी रहती हैं। एक्ट्रेस ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने पोस्टपार्टम जर्नी के बारे में बताया है। रुबीना ने दो तस्वीरों के साथ दिखाया है कि कैसे उनका ट्रांसफॉर्मेशन हुआ।

उन्होंने लिखा, जब मैंने कहा मेरा शरीर मेरा मंदिर है तो लोग हंसते थे (लेकिन मुझे इसकी कोई चिंता नहीं हुई) बस इसे जागरूकता के लिए बता रही हूं, मैं आसानी से प्रेग्नेंसी से पोस्टपार्टम के ट्रांसफॉर्मेशन तक पहुंच सकी। रुबीना आगे लिखती हैं, सी-सेक्शन के 10वें दिन मैंने पोस्ट नेटल योगा शुरू कर दिया था।

स्वत्वाधिकारी ***'बात हिन्दुस्तान की'*** *(पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन न.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चपला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-* ***उमेश तिवारी,*** *फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उतरदायी , ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com*

(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 8902221434 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)